शोहरा

6.4.22 - पत्रावली पेश हुई। प्रतिवादी के रिवीजन उपरोक्त बिना जवाब कहकर सुनी गई। मूल वाद के निस्तारण होने तक दोनों पक्ष यथास्थिति बनाये रखें। पत्रावली फैसला के शुमार होकर मूल वाद के संलग्न रहे।

S.J.